गोरखपुर से प्रकाशित

Title Code: UPBIL05289

स्वदेशी इनक्रेडिबल

द्विभाषी (साप्ताहिक)

वर्ष–1 अंक–3 , रविवार 9 जुलाई 2023 पृष्ठ–8 मूल्य–2 रूपया

गीता प्रेस संस्था नहीं जीवंत आस्था है : मोदी

इसका कार्यालय मंदिर से कम नहीं

गोरखपुर (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोरखपुर स्थित गीता प्रेस के शताब्दी समारोह के समापन समारोह में भाग लिया। इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। गोरखपुर पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वागत किया। समारोह में संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस बार का मेरा गोरखपुर का दौरा विकास भी विरासत भी की नीति का अद्भुत उदाहरण है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने गीता प्रेस को गांधी शांति पुरुस्कार भी दिया है। गांधीजी का गीता प्रेस से भावनात्मक जुड़ाव था। एक समय में गांधीजी कल्याण पत्रिका के माध्यम से गीता प्रेस के लिए लिखा करते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे बताया गया कि गांधीजी ने ही सुझाव दिया था कि कल्याण पत्रिका में विज्ञापन न छापे जाएं। कल्याण पत्रिका आज भी गांधीजी के सुझाव का शत प्रतिशत अनुसरण कर रही है। गीता प्रेस विश्व का ऐसा एकलौता प्रिंटिंग प्रेस है जो सिर्फ एक संस्था नहीं बल्कि एक जीवंत आस्था है। गीता प्रेस का कार्यालय करोड़ों लोगों के लिए किसी मंदिर से जरा भी कम नहीं है। ये समय गुलामी की मानसिकता से मुक्त होकर विरासत पर गर्व करने का है। आज एक ओर भारत डिजिटल टेक्नोलॉजी में नए रिकॉर्ड बना रहा है तो साथ ही सदियों बाद काशी में विश्वनाथ धाम का दिव्य स्वरूप भी देश

के सामने प्रकट हुआ है। हिंदू धार्मिक और आध्यात्मिक पुस्तकों के विश्व के सबसे बड़े प्रकाशन गीता प्रेस के दौरे के दौरान प्रधानमंत्री चित्रमय शिव पुराण ग्रंथ का विमोचन किया। समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गीता प्रेस अपनी 100 वर्ष की शानदार यात्रा लेकर आगे बढ़ा है। इस 100 वर्षों की शानदार यात्रा में विगत 75 वर्षों में कोई प्रधानमंत्री आज तक गीता प्रेस में नहीं आया क्योंकि गीता प्रेस भारत की मूल आत्मा को जागृत करने का काम किया है। 2021 के गांधी शांति पुरुस्कार के योगदान को सम्मानित करने का कार्य किया। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाले एक निर्णायक मंडल ने गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार 2021 प्रदान करने की घोषणा की थी। केंद्र सरकार द्वारा 1995 में स्थापित इस वार्षिक पुरस्कार के तहत एक करोड़ रुपये की नकद राशि, एक प्रशस्ति पत्र और एक पट्टिका तथा एक उत्कृष्ट पारंपरिक हस्तकला या हथकरघा उत्पाद प्रदान किया जाता है। गीता प्रेस ने पुरस्कार राशि स्वीकार करने से इनकार कर दिया था और कहा कि वह केवल प्रशस्ति पत्र ही स्वीकार करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोगों ने पिछले नौ वर्षों में भारत के विकास की एक नई यात्रा के साथ आस्था व विरासत को मिल रहे सम्मान को देखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिल रही है। भारत की गौरवशाली आस्था व विरासत को भी एक नई पहचान मिली है। मुख्यमंत्री गीताप्रेस के शताब्दी वर्ष समारोह के औपचारिक समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति जानता है योग भारत की अतिप्राचीन विधा रही है। पहली बार योग को वैश्विक मान्यता मिली है। 21 जून की तिथि को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा विश्व योग दिवस के रूप में मान्यता दी गई। आज 180 देश भारत के ऋषि परंपरा के इस उपहार से जुड़कर भारत के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ को वैश्चिक मान्यता मिलते 2019 में देश व दुनिया ने देखा। भारत के गौरवशाली आस्था के प्रति सम्मान व पुर्नस्थापना का काम कैसे होगा, काशी के विश्वनाथ धाम को देखकर जाना जा सकता है। नई केदारपुरी, बद्रीनाथ धाम हो, महाकाल में महालोक की स्थापना का काम हो या 500 वर्षों के इंतजार को खत्म कर अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण हो, ये सभी काम एक–एक कर फलीभूत हो रहे है। सीएम ने कहा कि एम्स का सपना भी साकार हुआ है। यह पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बिहार व नेपाल के बड़े भूभाग के लोगों को स्वास्थ्य की सुविधा दे रहा है। इंसेफ्लाइटिस पर नियंत्रण के लिए आरएमआरसी की स्थापना हुई। रामगढ़ताल, जो कभी आपराधिक गतिविधियोंका अड्डा था, आज शानदार सरोवर के रूप में पहचानें बना रहा है।

आज 14 फ्लाइट गोरखपुर से चल रही है। नए भारत की नई ट्रेन वंदे भारत के रूप में गोरखपुर से लखनऊ व जोधपुर से अहमदाबाद के लिए चलेगी। पापुआन्यूगिनी हो, फिजी हो, आस्ट्रेलिया हो या जापान व अमेरिका, प्रधानमंत्री की लोकप्रियता दुनिया के किसी भी मंच पर भारत के 140 करोड़ लोगों के सिर को गौरव से ऊंचा करती है। गीता में भगवान ने कहा है कि श्रेष्ठ पुरुष जिस तरह का आचरण करता है अन्य लोग भी वैसा आचरण करते हैं। जैसा प्रमाण प्रस्तुत करता है अन्य लोगों के लिए वह प्रेरणा होता है। नया भारत प्रधानमंत्री का अनुसरण कर भारत को सबसे बड़ी ताकत बनाने के उनके संकल्पों के साथ काम कर रहा है।

गोरखपुर एयरपोर्ट पर पहुंचे पीएम मोदी, राज्यपाल और सीएम योगी ने किया स्वागत

लखनऊ(संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीएम सिटी गोरखपुर

एयरपोर्ट पर पहुंचे। इस दौरान सीएम योगी उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उनका भव्य स्वागत किया। आज पीएम विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के साथ–साथ विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे और एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इस दौरान वह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखायेंगे। गीता प्रेस के प्रबंधक लालमणि त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री दोपहर में प्रेस के शताब्दी समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मोदी लीला चित्र मंदिर जाएंगे और प्रेस के ट्रस्टियों के साथ फोटो सेशन भी कराएंगे। वह मंच से लोगों को संबोधित करेंगे और चित्रों के साथ शिवपुराण का लोकार्पण भी करेंगे। त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे से गीता प्रेस में हर व्यक्ति खुश है और उनकी मौजूदगी से शताब्दी वर्ष समारोह अविस्मरणीय हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, दिल्ली और कुशीनगर रूट पर चलने वाली बसें चंपा देवी पार्क से संचालित की जाएंगी। सोनौली रूट, बरगदवा और महराजगंज रूट की बसें मेडिकल कॉलेज के पास रुकेंगी। इस दौरान ऑटो और ई–रिक्शा की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। प्रधानमंत्री शुक्रवार को ही गोरखपुर रेलवे स्टेशन से दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस अवसर पर वह गोरखपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला भी रखेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी अपराह्न करीब तीन बजकर 40 मिनट पर गोरखपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक से गोरखपुर–लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस और जोधपुर–अहमदाबाद (साबरमती) वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

पहलवान यौन उत्पीड़न मामला, बृजभूषण को कोर्ट ने किया तलब, 18 जुलाई को पेश होने का आदेश

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद एवं भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यू) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को 18 जुलाई को तलब किया है। अदालत ने कहा कि आरोपी के खिलाफ मामले को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। आरोपपत्र पर संज्ञान लेते हुए अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) हरजीत सिंह जसपाल ने बृजभूषण को 18 जुलाई को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया। अदालत ने भारतीय कुश्ती महासंघ के निलंबित सहायक सचिव विनोद तोमर को भी तलब किया। शहर पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का इस्तेमाल), 354 ए (यौन उत्पीड़न), 354 डी (पीछा करना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत 15 जून को आरोपपत्र दायर किया था।

सम्पादकीय........

डाटा सरक्षण विधेयक

पिछले कुछ वर्षों से बैंक, बीमा, क्रेडिट कार्ड से जुड़ा डाटा लीक होने कारण ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर लोगों का भरोसा लगभग खत्म हो चुका है। कम्पनियों ने भारत में किसी ठोस कानून के अभाव में खुलेआम मनमानी की है। डाटा को आज की दुनिया में खरा सोना कहा जाता है। अगर किसी देश का सोना ही चोरी होता रहे तो फिर कम्पनिया अपनी मनमानी तो करेंगी ही। पिछले दिनों को–विन एप के जरिये स्टोर हुए लोगों के निजी डाटा लीक हो जाने की खबरें भी आई थी। यद्यपि सरकार ने को–विन एप को अति सुरघक्षित बताया था और डाटा लीक होने की खबरों को बेबुनियाद करार दिया था लेकिन एक दक्षिण भारतीय वेबसाइट पर नेताओं और अन्य लोगों की निजी जानकारियों के स्क्रीनशॉट्स प्रकाशित हो गए थे। कुछ माह पहले दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का सर्वर भी हैक कर लिए जाने की खबरें आई थी। हैकर कई बार महत्वपूर्ण मंत्रालयों के आंकडों में भी सेंध लगाने की कोशिश कर चुके हैं। लोगों का व्यक्तिगत डाटा बाजार में काफी महगा है। निजी डाटा की सुरक्षा को देखते हुए केन्द्रीय मंघत्रिमंडल ने डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक के प्रारूप को मंजूरी दे दी है और इस विधेयक को संसद के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। केन्द्र निजी डाटा उपयोग पर पहले भी विधेयक ला चुका है। हालांकि तब विपक्ष के भारी विरोध के चलते इसे वापस लेना पडा था। क्योंकि उस विधोयक के कई प्रावधानों पर गंभीर आपत्तियां जताई गई थी और यह भी आरोप लगाया गया था कि सरकारी एजेंसियां इसका दुरुपयोग कर सकती हैं। विधेयक के नियमों में उल्लंघन की प्रत्येक घटना के लिए संस्थाओं पर 250 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा, 'मंत्रिमंडल ने डीपीडीपी विधेयक के मसौदे को मंजूरी दे दी है। इसे आगामी सत्र में संसद में पेश किया जाएगा। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेगा। विधेयक में पिछले मसौदे के लगभग सभी प्रावधान शामिल हैं जो इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्यागिकी मंत्रालय की ओर से परामर्श के लिए जारी किए गए थे। सूत्र ने कहा, ष्प्रस्तावित कानून के तहत सरकारी इकाइयों को पूर्ण छूट नहीं दी गई है। उन्होंने कहा, विवादों के मामले में डेटा संरक्षण बोर्ड फैसला करेगा। नागरिकों को सिविल कोर्ट का दरवाजा खटखटाकर मुआवजे का दावा करने का अधिकार होगा। बहुत सी चीजें हैं जो धीरे–धीरे विकसित होंगी। सूत्र ने कहा कि कानून लागू होने के बाद व्यक्तियीं को अपने डेटा संग्रह, भंडारण और प्रसंस्करण के बारे में विवरण मांगने का अधिकार होगा। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह के डाटा को इस कानून के दायरे में रखा गया है। विदेश से भारतीय नागरिकों की प्रोफाइलिंग करने जैसे मामले, सामान या सेवाएं देने जैसे मामलों में भी यह कानून लागू होगा। व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक एक ओर डिजिटल नागरिक के अधिकारों और कर्त्तव्यों को निर्धारित करता है तो दूसरी ओर कम्पनियों के घ्एकत्रित डाटा का कानूनी रूप से उपयोग करने के दायित्वों को निर्धारित करता है। यह विधेयक डाटा अर्थव्यवस्था के छह सिद्धांतों पर आधारित है जिनमें से पहला भारत के नागरिकों के व्यक्तिगत डाटा के संग्रह और उपयोग के बारे में है। व्यक्तिगत डाटा का संग्रह और उपयोग वैध होना चाहिए, उल्लंघन से संरक्षित किया जाना चाहिए और पारदर्शिता बनाए रखी जानी चाहिए। दूसरा सिद्धांत डाटा संग्रह अभ्यास के बारे में बात करता है जो कानूनी उद्देश्य के लिए होना चाहिए और उद्देश्य पूरा होने तक डाटा को सुरक्षित रूप से संग्रहित किया जाना चाहिए। तीसरा सिद्धांत कहता है कि केवल व्यक्तियों का प्रासंगिक डाटा एकत्र किया जाना चाहिए और पूर्व–निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति ही एकमात्र उद्देश्य होना चाहिए। चौथा सिद्धांत डाटा सुरक्षा और श्जवाबदेही के बारे में है जबकि पांचवां डाटा की सटीकता के बारे में बात करता है। अंतिम सिद्धांत डाटा उल्लंघन की रिपोर्ट करने के संबंध में नियम बताता है। सब जानते हैं सोशल मीडिया के लगभग सभी प्लेटफार्मों ने निजी डाटा का इस्तेमाल कर भारतीयों की पसंद के मुताबिक अपने उत्पाद बेचे और यहां तक कि लोगों के विचारों को प्रभावित कर एक तरह से अपनी कठपुतली बना डाला। कई सोशल मी डेया प्लेटफार्मों पर कई देशों में राजनीतिक विचारधारा को प्रभावित करने के सुनियोजित अभियानों का भी भांडा फूट चुका है। सैन्य सुरक्षा और बुनियादी ढांचा तक के आंक्रडों में भी सेंध लगाने की कोशिश की गई। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस विधेयक पर संसद में साकारात्मक बहस होगी और कानून बनाने से पहले इसके हर प्रावधान की गहन समीक्षा की जानी चाहिए ताकि जरूरी फेरबदल किया जा सके। कानूनों में सुधार एक निरतर चलने वाली प्रक्रिया है। जैसे–जैसे चुनौतिया आती जाएंगी प्रावधान बदले जा सकते हैं।

आज से 31 जुलाई तक चलने वाले संचारी रोज नियंत्रण अभियान शुरू

महाराजगंज । 1 जुलाई से शुरू होकर 31 जुलाई तक चलने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान दस्तक अभियान का आज मुख्य अतिथि सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज में फीता काट कर शुभारंभ किया ।इसके बाद सदर सीएचसी के सभागार में मुख्य चिकित्साधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित अधिकारियों ,कर्मचारियों की मीटिंग को संबोधित करते हुए सदर विधायक ने कहा कि 2018 के पूर्व इस तराई क्षेत्र में जेई (श्र म) , ए ई एस (ा्) से हजारों की संख्या में बच्चे रोग ग्रसित होते थे , हजारों बच्चो की अकाल मौत हो जाती थी ।किंतु ये अभियान चलाने के बाद इन रोगों पर काफी नियंत्रण हो गया है ।इस सफल कार्यक्रम के लिए विधायक जय मंगल कन्नोजिया ने स्वास्थ्य विभाग को बधाई देते हुए कहा कि इस बार पुन: और अच्छा प्रयास किया जाय जिससे यह जिला मण्डल में प्रथम स्थान पर रहे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी श्रीभागवत सिंह ने बताया कि आज हम लोग बच्चो को टिकाकारण करके जेई को लगभग समाप्त कर चुके हैं अब सारा प्रयास ए ई एस (ा्) को नियंत्रित करना है। एसीएमओ डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि इस ए ई एस (ा्) विमारी से बचने का उपाय खुले में शौच से मुक्ति ,सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग, साफ पानी पीना ,घरों में चूहा छछुन्दर न हो , आस पास झाड़ी न हो , गांव में सूअरबाड़ा न हो ,यही उपाय है । मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहा कि दस्तक अभियान 17 जुलाई से 31 जुलाई तक चलना है इसमें डोर टू डोर दो सदस्यीय टीम जाएगी और हर घर में बुखार के रोगियों का ,सर्दी जुखाम बुखार के लक्षण वाले , टी व बी व के लक्षण वाले,कुपोषित बच्चे,तथा कुष्ठ रोग के लक्षण वाले,फाइलेरिया वा कालाजार के लक्षण वाले रोगियों का सर्वे करके सूची बनाकर प्रतिदिन रिपोर्ट प्रेषित करेगी ।स्वास्थ्य विभाग उनका प्रबन्धन करेगा ।बैठक में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राकेश कुमार, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ केव पी व सिंह, डॉ. नीरज कन्नौजिया, डीएमओ त्रिभुवन चौधरी ,बीसीपीएम लवली वर्मा , यूनिसेफ के डीएमसी 'राहुल सिंह, डबल्यू एच ओ (ंन्) से धीरज त्रिपाठी, आरबीएसके के जिला समन्वयक लारी जी , फार्मासिस्ट आशुतोष त्रिपाठी आदि मौजूद रहे ।

लूट व चोरी करने वाले गैंग के 02 अपराधियों के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के तहत की गयी कार्यवाही

गोखरपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक उत्तरी गोरखपुर के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी

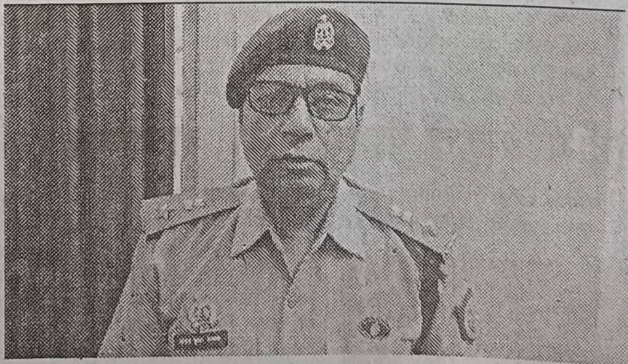

चौरीचौरा गोरखपुर के निर्देशन एवं थानाध्यक्ष नितिन रघुनाथ श्रीवास्तव थाना पिपराइच जनपद गोरखपुर द्वारा अपराधी राज गौड उर्फ बिट्टू पुत्र राजेन्द्र गौड़ निवासी उनौला दोयम थाना पिपराईच जनपद गोरखपुर,जिसका एक विधि विरूद्ध गैंग है । उक्त गैंग का लीडर राज गौड़ उर्फ बिट्टू स्वयं है तथा अपने गैंग के सदस्य 1. दीपक उर्फ दीपू पुत्र सुभाष निवासी उनौला दोयम थाना पिपराईच जनपद गोरखपुर के साथ मिलकर दिनांक 14.02. 2023 को ग्राम रामपुर में अभियुक्तगण द्वारा वादी का मोबाइल फोन छीन लेने व दिनांक 06.03. 2023 को अभियुक्तगण द्वारा वादी का मोटरसाइकिल चोरी कर लेने का अपराध कारित किया गया । इनका एक संगठित गिरोह है, जो स्वयं व अपने गिरोह के सदस्यों के साथ आर्थिक व भौतिक, दुनियावी व अन्य लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से सामूहिक रूप से एक संगठित गिरोह बनाकर आये दिन लूट व चोरी जैसे गम्भीर अपराध कारित करते रहते है । गिरोह के सरगना एवं सदस्यों का सामान्यत: जन मानस में भय एवं आतंक व्याप्त है जिसके कारण गिरोह के सरगना एवं इसके सदस्यों को स्वतंत्र विचरण करने से रोकने एवं अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जिला मजिस्ट्रेट गोरखपुर द्वारा अनुमोदन प्राप्त कर थाना पिपराइच पर गैंगेस्टर की प्रभावी कार्यवाही करते हुए गैंग लीडर राज गौड़ उर्फ बिट्टू पुत्र राजेन्द्र गौड़ निवासी उनौला दोयम थाना पिपराईच जनपद गोरखपुर एवं गैंग के अन्य सहअभियुक्तों के विरुद्ध मु0अ0सं0 563 ध्23 धारा 3(1) उत्तरप्रदेश गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम– 1986 पंजीकृत किया गया ।

अभियुक्तगण का नाम पता व आपराधिक इतिहास–

1. गैगलीडर राज गौड़ उर्फ बिट्टू पुत्र राजेन्द्र गौड़ निवासी उनौला दोयम थाना पिपराईच जनपद गोरखपुर

1. मु0अ0सं0 110ध्2023 धारा–392,411भादवि थाना पिपराइच जनपद गोरखपुर

2. मु0अ0सं0 212ध्2023 धारा–379,411भादवि थाना पिपराइच जनपद गोरखपुर

2. दीपक उर्फ दीपू पुत्र सुभाष निवासी उनौला दोयम थाना पिपराईच जनपद गोरखपुर

1. मु0अ0सं0 110ध्2023 धारा–392,411भादवि थाना पिपराइच जनपद गोरखपुर

राज्यपाल की अध्यक्षता में छत्रपति शाहूजी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय में संपन्न होगा- दो दिवसीय शिक्षा मंथन का हुआ आयोजन

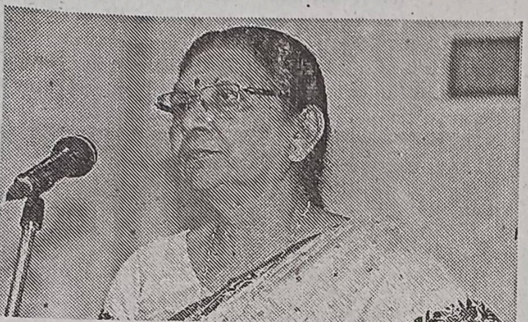

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 8 एवं 9 जुलाई को छत्रपति शाहू जी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय शिक्षा मंथन का आयोजन किया जायेगा। राज्यपाल द्वारा प्रदेश में उच्च शिक्षा क्षेत्र उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए किये जा रहे मैराथन प्रयासों के क्रम में प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों ,विश्वविद्यालयों को निरंतरता से व्यापक निर्देश दिए गए। राज्यपाल की अध्यक्षता में लखनऊ के मौलाना अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय नैक मंथन कार्यशाला का आयोजन करके प्रदेश भर के विश्वविद्यालयों को नैक मूल्यांकन में जाने से पूर्व आवश्यक सुधारों को लागू कराने के लिए व्यापक दिशा–निर्देश दिए गए थे। अब छत्रपति शाहू जी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय में आयोजित शिक्षा मंथन में प्रदेश भर के विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रोफेसर्स शिक्षा की गुणवत्ता व उसके सुधार को लेकर मंथन करेंगे।

देशभर से आये शिक्षाविद राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सही मायनों में क्रियान्वयन कराने, नैक मूल्यांकन, नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क, क्यूएस एशिया रैंकिंग, क्यूएस ग्लोबल रैंकिंग, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में राज्य विवि की ओर से उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने, मातृभाषा में पुस्तक निर्माण व अनुवाद विषय पर चर्चा के साथ परीक्षा सुधार बिंदुओं पर चर्चा करेंगे। दो दिवसीय शिक्षा मंथन कार्यशाला में प्रदेश के सभी विवि व संस्थान प्रतिभाग करेंगे। इसके साथ राज्य के सभी कृषि, चिकित्सा, संस्कृति, प्राविधिक व राज्य विवि के कुलपति, रजिस्ट्रार, वित्त नियंत्रक, परीक्षा नियंत्रक, आईक्यूएसी के हेड समेत संस्थानों के निदेशक व 10 से 15 वर्षों का अनुभव रखने वाले प्रोफेसर स्तर के शिक्षक भी शामिल होंगे।

लखनऊ किंग जॉर्ज विश्वविद्यालय ट्रामा सेंटर मैं कैंटीन पार्किंग ठेका बिना टेंडर प्रक्रिया के आवंटित

लखनऊ। मेडिकल कॉलेज परिसर में एक ही व्यक्ति को बिना टेंडर प्रक्रिया के कई कैंटीन आवंटित करने का मामला सामने आया इसी क्रम में पार्किंग ठेका भी एक ही आदमी पर आवंटित है पूरे परिसर में जिसकी जानकारी मेडिकल परिसर के अधिकारियों को भी है परिसर के अंदर कई जगह अवैध रूप से जगह जगह पर पार्किंग बनाई गई है जिस पर हजारों रुपए की उगाही की जाती है बाबू और अधिकारी की मिलीभगत से छोटे–छोटे वंडर को हटाकर एक ही व्यक्ति को आवंटन धड़ल्ले से किया जा रहा है भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ मामला देखने को मिला धन देकर एक ही व्यक्ति कई कैंटीन आवंटित करा लेता है जिस के संबंध में कई जन सूचना लंबित चल रही है बावजूद इसके बाबू अधिकारी अपनी मनमानी कर रहे हैं तथा धीरे–धीरे निजी करण की तरफ पूरे परिवार को बढ़ाया जा रहा है पार्किंग को लेकर कई बार विवाद करते देखा गया मरीज का जमीदारों को काफी परेशानियां उठानी पड़ती है

एसएसबी और सोनौली पुलिस की संयुक्त टीम ने 82 ग्राम हेरोइन के साथ महिला तस्कर को किया गिर"तार

महराजगंज/सोनौली । भारत और नेपाल के सरहदी क्षेत्रों में धड़ल्ले से हो रहे मादक पदार्थों बिक्री के रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सोनौली पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने शांति देवी निवासी हर्दीडाली टोला मुर्दहिया को हर्दीडांली चौराहे से 82 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया जिसका खुलासा अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार ने किया खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार की गई महिला हेरोइन बाराबंकी से खरीद कर नेपाल में मोटे रकम में बेचती थी जिसके विरुद्ध एनडीपीए एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए जेल भेज दिया गया महिला तस्कर को गिरफ्तार करने में खनुआ चौकी प्रभारी गंगा राम यादव,सोनौली चौकी प्रभारी अंकित कुमार सिंह,हेड कांस्टेबल रमाशंकर यादव,कांस्टेबल मनीष सिंह,कांस्टेबल विशाल सिंह,कांस्टेबल मनीष कुमार सिंह,महिला कांस्टेबल सरोज सिंह, एसएसबी सहायक कमांडेंट परमात्मा सिंह, एसएसबी निरीक्षक राजीव तिवारी, एसएसबी हेड कांस्टेबल राजतिलक मौर्य, एसएसबी कांस्टेबल मोहम्मद रहमतुल्लाह ने अहम भूमिका निभाई ।

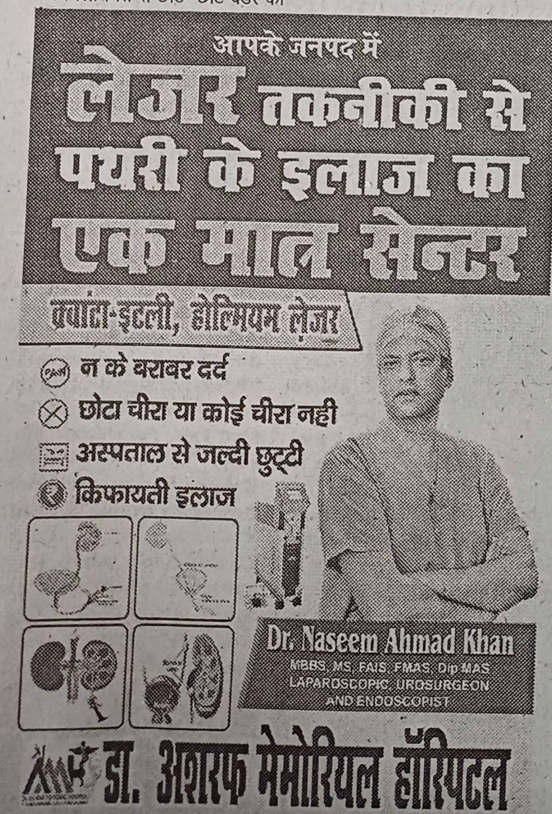

आप के विचार

वीर शिरोमणि रूपन बारी जी अमर रहें

आदरणीय बन्धुओं :–

किसी सुस्त व मन्द कार्य या विचार धारा में परिवर्तन प्रदान करने की परोक्ष या प्रत्यक्ष कारणों को साधारणंतः प्रेरणा कहते हैं।

हमें प्रेरणा मिलती है मातृभूमि रक्षा का , मातृ व समाज प्रेम का , सामाजिक सद्भावना व व्यवहार पालन का ,मानव धर्म पालन का , जागृत का , वैज्ञानिक विकास का , अहिंसा एवं विश्व शांति का ।

21वीं संदी का आवाहन हमें प्रेरणा देती है, पुरुषार्थ, प्रयोग, प्रगति , परिश्रम एवं एक नये युग की , स्थापना का ।

मैं चिंतित हूं कि संगठनों को प्रेरणा देने वाले आज स्वयं विमुक्त क्यों हो रहे हैं?

मैं दुःखी हूं कि दहेज– मद्यपान व शिक्षा के विकास सम्बन्धी प्रेरणायें आज तक समाज में शिथिल क्यों हैं ?

मैं आश्चर्य चकित हूं कि क्या धार्मिक ग्रंथ हमें वास्तव में मनुष्य –मनुष्य में भेद रखने की क्या प्रेरणा देता है??

मैं समझ नहीं पाता कि क्या आज का बारी समाज वास्तव में ही स्वार्थ भावना का प्रेरणा देता है??

इल्मों अदब के सारे ,खजाने गुजर गये.
क्या खूब थे वो लोग, पुराने गुजर गये।
बाकी है फकत जमीं पे,आदमी की भीड़ .
इंशा को मरे हुए, जमाने गुजर गये ।।
कुछ लोग बारी समाज के, तमन्ना रखते हैं?
चांद –सितारों पर पहुंच जाने की ?
गुमाश्ता में नाम दर्ज करवा लेते हैं ?
जब वक्त आता है,एकता की सीढ़ी बनाने की ?

रामाधार बारी अमरपाटन
सतना मध्य प्रदेश
7415717445

अपने विचार को हमें Whatsapp| पर भेजे।
Mob:- 7233999001

हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को बताया उचित, जानें राहुल की सजा बरकरार रखते हुए क्या-क्या कहा

गोखरपुर (संवाददाता)। मोदी उपनाम वाली टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दोषी करार दिया गया था। उन्हें दो साल की सजा सुनाई गई थी, जिसके बाद उनकी संसद की सदस्यता भी चली गई थी। इसी सजा को गुजरात हाईकोर्ट ने बरकरार रखा है।

गुजरात हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की सजा बरकरार रखी। न्यायमूर्ति हेमंत प्रच्छक ने राहुल गांधी की सजा पर रोक की मांग वाली याचिका खारिज करते हुए कहा कि उनके खिलाफ कम से कम 10 आपराधिक मामले लंबित हैं। मौजूदा केस के बाद भी उनके खिलाफ कुछ और केस भी दर्ज हुए। ऐसा ही एक मामला वीर सावरकर के पोते ने दायर किया है।

न्यायमूर्ति ने आगे कहा कि दोषसिद्धि से कोई अन्याय नहीं होगा। दोषसिद्धि न्यायसंगत एवं उचित है। पहले दिए गए आदेश में हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसलिए आवेदन खारिज किया जाता है।गौरतलब है, मोदी उपनाम वाली टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दोषी करार दिया गया था। उन्हें दो साल की सजा सुनाई गई थी, जिसके बाद उनकी संसद की सदस्यता भी चली गई थी। अब हाईकोर्ट ने भी उन्हें झटका दे दिया है। इससे वह चुनाव नहीं लड़ पाएंगे या संसद सदस्य (सांसद) के रूप में अपनी स्थिति के निलंबन को रद्द करने की मांग नहीं कर पाएंगे। हालांकि, वह हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकते हैं।

वहीं, भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने अदालत की टिप्पणी, जिसमें राहुल पर और केस दर्ज होने की बात कही है, पर कहा कि राहुल को इसके बारे में सोचना चाहिए और ऐसे इतिहास नहीं बनाने चाहिए...। इससे पहले जस्टिस प्रच्छक ने मई में राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि वह ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद अंतिम आदेश पारित करेंगे। राहुल गांधी के वकील ने 29 अप्रैल को सुनवाई के दौरान गुजरात हाईकोर्ट में तर्क दिया था कि एक जमानती और गैर–संज्ञेय अपराध के लिए अधिकतम दो साल की सजा का मतलब है कि उनके मुवक्किल अपनी लोकसभा सीट खो देंगे।

Chhattisgarh is Congress' 'ATM': PM Modi's sharp strike in poll&bound state

The Congress has made the state its ATM] with every department engaged in corruption] the PM alleged-

Prime Minister Narendra Modi on Friday launched a

fierce attack against the Congress] calling ^corruption* the party*s Þprimary ideologyß and terming the Chhattisgarh government a Þmodel of misruleß- He made the statements during an event in Raipur after laying foundation stones of eight projects worth around ?7]600 crore- ÞIf the Congress is a guarantee for corruption] Modi is a guarantee for acting against it]ß he said during a rally at Science College ground in the state capital- This was Modi*s first visit to the Congress&ruled state after taking charge as PM for a second term in 2019; Chhattisgarh is headed for assembly elections later this year- ÞThe neÛt 25 years will be crucial for the development of Chhattisgarh but a big ^panja* ¼referring to the Congress party symbol½ is standing like a tall wall against it- Congress* ^panja* has resolved to snatch your rights and it will loot and destroy the state]ß Modi said] adding that the ruling party in the state has failed to fulfill their promises after the 2018 polls- The Congress has made the state its ATM] with every department engaged in corruption] the mula ¼hinting at the seat&sharing pact on the chief ministerial post between BhupeshBaghel and TS Singh Deo½ due to the tussle over this money]ß he PM alleged-ÞCongress promised liquor ban in the state but in reality] they have done scams worth thousands of crores-

The scam money went into the account of the party- Now] people say the party could not implement the 2-5&year power&sharing for- said-ÞEvery department here is engaged in corruption--- There are coal mafia] land mafia] sand mafia and other mafias that flourish here... There are allegations against the chief of the state and other ministers---This government has become a model of misrule]ß Modi said-

Prince William may ditch this ancient royal tradition much&loved by King Charles

Prince William may ditch a tradition followed by the men of the royal family- King Charles' eldest son is yet to be seen in the tartan while

the royals have established close ties with Scotland] spending several months a year at Balmoral Castle- Traditionally royal men wear a kilt when out and about in Scotland-

Earlier this week] King Charles was seen wearing the traditional Scottish dress during his visit to Kinneil House to mark a week of celebrations that formally recognised him as the monarch- He was photographed on several occasions wearing a kilt] following in the footsteps of his father Prince Philip- But Prince William] and his younger brother Prince Harry] have never been seen wearing the kilt one since they entered adulthood-

Prince William himself has close ties with Scotland after attending St Andrew's University] where he met his wife Kate Middleton- At his graduation ceremony] the Prince of Wales opted for a black suit and white bow tie complete with a graduation gown and not a kilt-

Ameesha Patel says contemporaries couldn't handle her success: There was jealousy] snatching films from under your nose

Ameesha Patel says contemporaries couldn't handle her success: There was jealousy] snatching films from under your nose

Ameesha Patel recently talked about nepotism in the industry and called herself an outsider'- She also recalled the reaction of other actors to her success-

Actor Ameesha Patel recently talked about having a successful career in Bollywood without any ^godfather*] while her contemporaries belonged to filmy families- Ameesha made her debut with Hrithik Roshan in KahoNaa--- Pyaar Hai ¼2000½] which was a huge boÛ office hit- Talking about her success] Ameesha said her contemporaries couldn't handle it and it led to a lot of jealousy-

Ameesha is all set to mark her comeback in films with Anil Sharma's Gadar 2- The film reunites her with Sunny Deol- Gadar 2 will see a theatrical release on August 11-

Ahead of the film's release] Ameesha told Bollywood Hungama] ÞWhen I entered the film industry] I only had film actors* kids or producers* kids enter with me] it was Kareena Kapoor] Abhishek Bachchan] Hrithik Roshan] Tushar Kapoor] EshaDeol] Fardeen Khan] you name it] you turn your head and it was a film family third generation person coming in- I was the outsider and I was anyway this south Bombay ¼girl½ looked upon as a snob because I was the educated outsider- I was the one who did not b**** on sets] I read books] I did not gossip] so I was anyway called a snob because I chose to read-ß

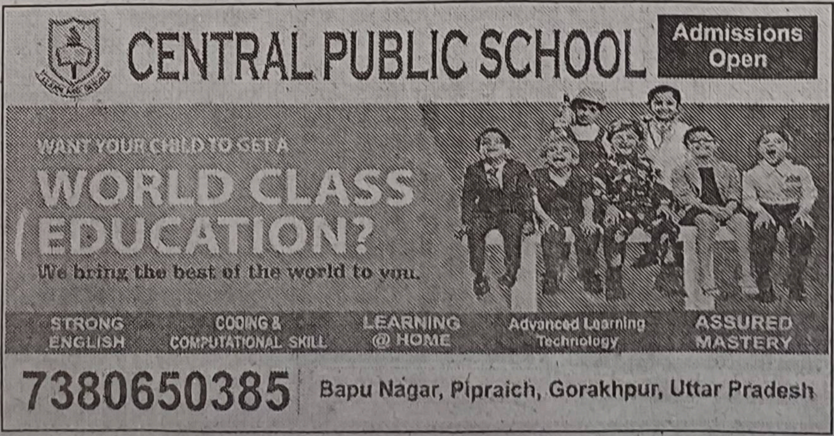

Will retire from politics if I have taken money for transfers] says Karnataka CM Siddaramaiah

Karnataka CM Siddaramaiah denies allegations of corruption in transfer of officials] says he will retire from politics if proven guilty-

Karnataka Chief Minister Siddaramaiah on Thursday said he would retire from politics if it is proved that he has taken bribe for transfer of officials- He termed as 'figment of imagination' JD¼S½ leader H D Kumaraswamy*s allegation that ^transfer business* was going on in a big way under the Congress&led government in the state-

ÞI will retire from politics if anyone says that I took money for transfers- I object to the accusations made by Kumaraswamy and Bommai- I never transferred anyone in my department]ß he said during a discussion in the Assembly on Governor ThaawarchandGehlot*s address to the joint session- Siddaramaiah also said he has asked his cabinet colleagues to ensure that there was no corruption in their departments-

ÞThe accusation of corruption in transfers is a figment of imagination because there is nothing else to speak against m governmentß the CM said- He also said Kumaraswamy was levelling charges because the five poll guarantees namely Gruha Lakshmi] GruhaJyoti] YuvaNidhi] Shakti and Anna Bhagya have created a sense of political insecurity for the JDS leader- Siddaramaiah told the House that he has ordered a probe into the illegalities that took place during the BJP government-

However] former CM BasavarajBommai demanded investigation into the illegalities since 2013] he added- ÞWhen we say that there was corruption in the previous government] their standard reply is ^wasn*t there corruption in the Congress government\ß Siddaramaiah said-

Siddaramaiah took a swipe at the BJP] which was in power for nearly four months from July 2019 to May 2023 but did not prove any corruption charges against the Congress government headed by him from 2013 to 2018- ÞYou could not prove that corruption took place during my previous term ¼as Chief Minister½- This shows that no corruption had taken place in our previous government]ß he said-

During the discussion] the Chief Minister slammed the BJP&led Centre for not allowing the Food Corporation of India to sell rice to Karnataka to implement the 'Anna Bhagya' scheme- Condemning the allegation] the BJP legislators raised slogans against the Congress and staged a walkout- The motion of thanks to the Governor*s address to the joint session was passed in the assembly-

Rain to continue till neÛt week in Karnataka coast] Bengaluru:

Description Rain continued to lash Bengaluru and other regions in Karnataka] causing severe waterlogging- The IMD issued warnings for several districts in the state-

Rain continued to lash parts of Bengaluru and some regions in Karnataka on Thursday and Friday] with severe waterlogging reported from Chickpet and other areas- The India Meteorological Department ¼IMD½ said on Thursday that showers might be observed in Karnataka's coastal districts all throughout the weekend and a few days in the coming week-

It issued Þheavy rainfallß and thunderstorm warnings over Chikkamagaluru] Shivamogga] Kodagu and other parts of south interior Karnataka- It also advised fishermen not to venture into the sea as winds with high speeds may occur- Light to moderate rain will continue over the neÛt 48 hours in Bengaluru] with maÛimum and minimum temperatures very likely to be around 29 and 21 degrees Celsius] respectively] it added-

The IMD issued an Þorangeß alert over Dakshina Kannada] Uttara Kannada and Udupi districts on Thursday and issued a Þyellowß alert over Chikkamagaluru] Kodagu and Shivamogga districts-

The Karnataka State Natural Disaster Monitoring Centre ¼KSNDMC½ said the Uttara Kannada and Udupi districts saw the most rainfall on Thursday] with Kodkani and Dodmane] both in SiddapurTaluk] Uttara Kannada district recording 200 mm and 184-5 mm of rain] while Hallihole in KundapurTaluk of Udupi district recorded 183-5 mm rain-

In an analysis from June 1 to July 13] the centre said 21 districts saw a rainfall deficit] with Bagalkote recording Þlarge deficitß while Kalaburagi] Yadgir] Vijayapura] Belagavi] Raichur] Dharwad] Haveri] Gadag] Koppala] Vijayanagara] Bellari] Uttara Kannada] Shivamogga] Chikkamagaluru] Dakshina Kannada] Hassan] Kodagu] Mysuru] Chamarajanagara] Ramanagara saw a ^deficit*- Nine districts saw Þnormalß rainfall] and Udupi was the only district to record an ÞeÛcessß rainfall-

A vaccine to prevent malaria is a scientific milestone for humanity-

Researchers estimate that malaria&causing parasites have been mutating for 30 million years making the disease especially difficult to target- No other infectious disease has impacted the full course of human history like malaria- A global scourge] it has plagued us since antiquity- Clay tablets from Mesopotamia carry inscriptions of deadly fevers] suggestive of malaria- It is mentioned in epics like Homer's The Iliad and NeiChing] the Chinese medical canon dating back several millennia-

विजय ने तमन्ना के लिए बताई अपने प्यार की गहराई, कहा– खलनायक युग खत्म कर शुरू किया है रोमांटिक सफर

अभिनेता विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया इन दिनों अपने रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। कई महीनों तक अपनी डेटिंग की अफवाहों पर चुप रहने के बाद आखिरकार दोनों ने एक–दूसरे के लिए अपने प्यार का इजहार कर ही दिया और अपने रिश्ते को आधिकारिक बना दिया। इस जोड़ी ने हाल ही में नेटफ्लिक्स एंथोलॉजी सीरीज शलस्ट स्टोरीज 2श में सुजॉय घोष की शसेक्स विद द एक्सश में एक साथ अभिनय किया, जिसके लिए उन्हें उनकी शानदार ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए सराहना मिली। दोनों ने सार्वजनिक तौर पर कहा कि वे दोनों एक दूसरे के साथ प्यार में हैं, लेकिन कुछ लोगों ने माना कि विजय और तमन्ना का रिश्ता उनके शो के लिए सिर्फ एक प्रचार स्टंट है। अब विजय ने तमन्ना के साथ अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर एक बार फिर से सफाई दी है। उन्होंने हाल ही में दिए इंटरव्यू में कहा कि मुझे लगता है कि अब यह काफी हद तक समझ में आ गया है कि हम एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं। विजय ने कहा कि वह तमन्ना के प्यार में शपागलश हैं। पर्दे पर खलनायक की भूमिकाएं निभाने के बाद अभिनेता अपने जीवन के रोमांटिक किरदारों के दौर में प्रवेश कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि मैं खुश हूं और उनके प्यार में पागल हूं। मैं इसे अपने जीवन का चरण कहता हूं। मैंने अपना खलनायक युग समाप्त कर लिया है और रोमांस युग में प्रवेश कर गया हूं।

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के रिश्ते की अफवाहें सबसे पहले तब शुरू हुई, जब इस कपल को नए साल की पार्टी में गोवा में देखा गया। इसके तुरंत बाद उन्हें कई मौकों पर मुंबई में एक साथ देखा गया। शलस्ट स्टोरीज 2श की रिलीज से पहले तमन्ना ने विजय के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की और उसे अपनी शहैप्पी प्लेसश बताया।

उन्होंने कहा था कि विजय एक ऐसे व्यक्ति है, जिनकी मैं बहुत परवाह करती हूं और वह मेरे लिए हैप्पी प्लेस हैं। वह ऐसे व्यक्ति हैं, जिनका मैं वास्तव में आदर करती हूं। वह ऐसे व्यक्ति हैं, जिनके साथ मैं बहुत ही जैविक रूप से जुड़ी हुई हूं। वह ऐसे व्यक्ति हैं, जो पूरी सावधानी बरतते हुए मेरे पास आए और मुझे कंफर्टटेबल फील करवाया। दोनों को सोशल मीडिया पर अक्सर एक–दूसरे का उत्साह बढ़ाते हुए भी देखा गया है।

रोहित–यशस्वी की जोड़ी ने तोड़ा 21 साल पुराना रिकॉर्ड, गावस्कर और सहवाग को भी छोड़ा पीछे

रोहित–यशस्वी वेस्टइंडीज की सरजमीं पर 2006 के बाद शतकीय साझेदारी करने वाली पहली सलामी

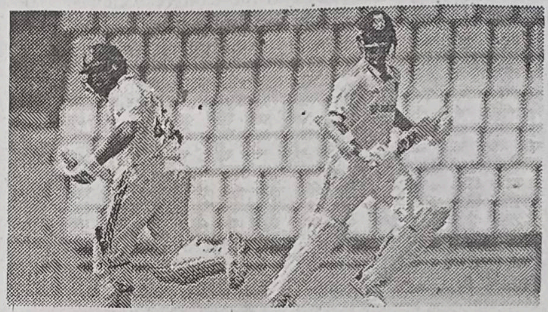

जोड़ी बन गई। भारत की केवल चार सलामी जोड़ियों ने कैरिबियाई मैदान पर शतकीय साझेदारी की है।

वेस्टइंडीज और भारत के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट की पहली पारी में भारत ने बढ़त बना ली है। वेस्टइंडीज पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 150 के स्कोर में ऑलआउट हो गई, जिसके जवाब में भारत ने दो विकेट खोकर 312 रन बना चुकी है।

टीम इंडिया की तरफ से पारी की शुरुआत करते हुए कप्तान रोहित शर्मा और युवा बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने शतकीय पारी खेली। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 229 रनों की साझेदारी की। शतकीय पारी के साथ दोनों ही सलामी बल्लेबाजों ने 21 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

रोहित–यशस्वी ने तोड़ा 21 साल पुराना रिकॉर्ड

रोहित–यशस्वी ने बाद में संजय बांगड़ और वीरेंद्र सहवाग की सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। साल 2002 में सहवाग और बांगड़ ने पारी की शुरुआत करते हुए मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 201 रनों की साझेदारी की थी। वहीं 13 जुलाई 2023 यानी करीब 21 साल बाद रोहित और यशस्वी ने मिलकर यह रिकॉर्ड तोड़ दिया।

17 साल पुराना रिकॉर्ड भी टूटा

रोहित ने 10 चौकों और दो छक्कों के साथ 103 रन की तो यशस्वी ने 14 चौकोंकी मदद से नाबाद 143 रन की पारी खेली। इसी शतकीय पारी के साथ दोनोंही सलामी बल्लेबाजों ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। रोहित–यशस्वी वेस्टइंडीज की सरजमीं पर 2006 के बाद शतकीय साझेदारी करने वाली पहली सलामी जोड़ी बनी। भारत की केवल चार सलामी जोड़ियोंने कैरिबियाई मैदान पर शतकीय साझेदारी की है।

विराट कोहली ने इस मामले में वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ा, अब लक्ष्मणं के रिकॉर्ड पर है नजर

विराट कोहली एक चौके की मदद से 36 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। इसी के साथ उन्होंने टेस्ट प्रारूप में 8500 रन पूरा किया। ऐसा करने वाले कोहली अब पांचवे भारतीय बल्लेबाज

बन चुके हैं।

टीम इंडिया के रन मशीन विराट कोहली ने वेस्टइंडीज के साथ डोमिनिका में खेले जा रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते हुए एक खास उपलब्धि हासिल की। मुकाबले के पहले दिन वेस्टइंडीज पहली पारी में 150 के स्कोर पर सिमट गई, जिसके जवाब में भारत की तरफ से रोहित शर्मा और युवा बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने एक मजबूत पारी की शुरुआत करते हुए टीम को 162 रनों की बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

कप्तान रोहित शर्मा के 103 रन पर आउट होने के बाद शुभमन गिल महज छह रन पर ही पवेलियन लौट गए, जिसके बाद विराट ने यशस्वी के साथ मिलकर पारी को संभाला। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक विराट और यशस्वी क्रीज पर टिके रहे। बल्लेबाजी के दौरान विराट कोहली ने पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को रनों के मामले में पीछे छोड़ दिया।

कोहली ने सहवाग को छोड़ा पीछे

विराट कोहली एक चौके की मदद से 36 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। इसी के साथ उन्होंने टेस्ट प्रारूप में 8500 रन पूरा किया। ऐसा करने वाले कोहली अब पांचवे भारतीय बल्लेबाज बन चुके हैं। इस मामले में किंग कोहली पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ चुके हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 36 रन की पारी के बाद टेस्ट प्रारूप में विराट का कुल रन 8515 हो चुका है।

कोहली बने पांचवे भारतीय बल्लेबाज

विराट कोहली ने, टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पांचवे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। अब उनका अगला टार्गेट वीवीएस लक्ष्मण है, जिन्होंने टेस्ट में 8,781 रन बनाए थे। विराट और लक्ष्मण से पहले सुनील गावस्कर, राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर हैं जो टेस्ट में 10,000 का आंकड़ा छू चुके हैं। सुनील गावस्कर पहले ऐसे भारतीय बल्लेबाज रहे, जिन्होंने टेस्ट में 10,000 का आंकड़ा छुआ था। उनके अलावा टीम इंडिया के वर्तमान कोच राहुल द्रविड़ ने 13,265 रन और सचिन तेंदुलकर ने 15,921 रन बना चुके हैं। डोमिनिका में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने दो विकेट खोकर 312 रन बनाने के साथ मेजबाद टीम पर 162 रन की बढ़त बना ली है। वेस्ट इंडीज की तरफ से जोमेल वेरिकन और एलिक अथनाजे ने एक–एक विकेट लिया।

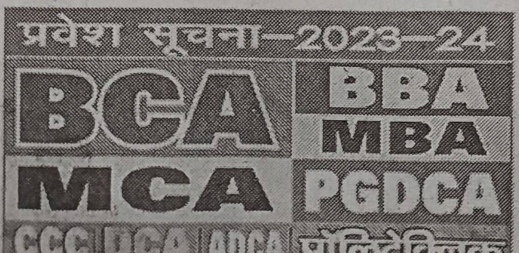

17 जुलाई से 31 जुलाई तक मनाया जाएगा सड़क सुरक्षा पखवाड़ा : दयाशंकर

गोरखपुर(संवाददाता)। प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने बताया कि सुरक्षित एवं सुगम यातायात हेतु सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के निमित्त जनमानस को यातायात के नियमों एवं सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूकता लाने के लिए 17 जुलाई से 31 जुलाई तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाया जाएगा। चालकों,परिचालकों का ब्रेथ एनालाईजर डिवाइस के माध्यम से डिपो,कार्यशाला एवं मार्ग पर औचक निरीक्षण किया जाएगा, जिससे कि यात्रा के दौरान दुर्घटना न हो।परिवहन मंत्री ने परिवहन निगम की बसों की तकनीकी जाँच कराकर ही बसों को आउटशेड कराया जाने के निर्देश दिए हैं। निगम एवं अनुबन्धित बसों की हैडलाइट, बैक लाइट, इन्डीकेटर, रियर व्यू मिरर, एसएलडी ,सीट बेल्ट चेक की जाय।बसों का स्पीड कन्ट्रोल डिवाइस से जांच भी की जाय। चालकों के ड्राइविंग लाइसेन्स की जांच एवं क्रू की वर्दी की जाँच के साथ निगम एवं अनुबन्धित बसों में रिफ्लेक्टिव टेप लगा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चालकों को रात्रि में बस संचालन के दौरान हेडलाइट के हाईबीम लोबीन के प्रयोग के सम्बन्ध में जानकारी दिया जाय।

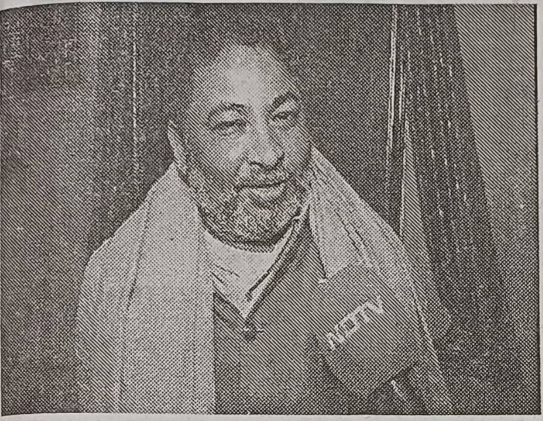

सड़क सुरक्षा माह में चालकों परिचालको की काउन्सलिंग की जाय। उन्होंने चालक परिचालकों को नशा न करने हेतु प्रेरित किये जाने के लिये भी कॉउंसलिंग के निर्देश दिए हैं। सड़क सुरक्षा अभियान के दौरान क्षेत्रीय प्रबन्धक तथा सेवा प्रबन्धक कम से कम तीन–तीन डिपो में कार्यक्रम संचालन में सहयोग प्रदान करेंगे। अभियान के दौरान कराये गये कार्यक्रमों की रोड सेफ्टी ग्रुप में प्रत्येक दिवस की फोटो पोस्ट करें। रैश ड्राइविंग पर नियंत्रण के लिये मार्ग पर बसों का औचंक निरीक्षण तथा चालकों परिचालकों की सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में काउन्सलिंग एव प्रशिक्षण के अन्तर्गत सीएमवीआर रूल्स तथा वर्तमान परिस्थितियों में एक्सप्रेस–वे व हाईवेज पर बस के सुरक्षित संचालन, लेन ड्राइविंग ओवरटेकिंग, ब्रेकिंग आदि की जानकारी दी जाए।परिवहन मंत्री ने सड़क सुरक्षा माह का प्रचार–प्रसार बस स्टेशनों पर एलईडी टीवी, ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं बसों में स्थापित साउण्ड बॉक्स के माध्यम से किये जाने एवं महिलाओं की सुरक्षा का संदेश प्रसारित किये जाने के निर्देश दिए हैं। चालकों को सुरक्षित संचालन हेतु बसों को निर्धारित गति में संचालित करने सीटबेल्ट का प्रयोग करने, बस संचालन के दौरान मोबाइल का प्रयोग न करने तथा चालक की असावधानी से होने वाली दुर्घटनाओं आदि से सम्बन्धित लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जाए। परिचालक द्वारा यात्रियों को बस यात्रा के दौरान रखी जाने वाली सावधानियां जैसे चलती बस में शरीर का अंग बाहर न निकालने, चलती बस से चढ़ने व उतरने का प्रयास न करने, सहयात्रियों के साथ अच्छा व्यवहार करने एवं महिलाओं का सम्मान के निर्देश दिए हैं। चालको की स्वास्थ्य जांच एवं आंखों की जांच कराने के भी निर्देश दिए हैं।

भाजपा सांसद रमापति राम त्रिपाठी को मिली उम्रकैद की सजा

लखनऊ(संवाददाता)। देवरिया से भारतीय जनता पार्टी के सांसद रमापति राम त्रिपाठी और पार्टी के एक अन्य नेता संतराज यादव को एमपी एमएलए कोर्ट द्वारा 29 साल पुराने एक केस में उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोनों दोषियों पर अलग–अलग 2300 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। सजा सुनाने के साथ ही कोर्ट ने भाजपा सांसद रमापति राम त्रिपाठी और संतराज यादव को जमानत भी दे दी। एमपी–एमएलए कोर्ट के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रभास त्रिपाठी ने गुरुवार को भाजपा सांसद त्रिपाठी के साथ अन्य को ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर हमला करने और पुलिस से छीना–झपटी की कोशिश करने और इंस्पेक्टर की रिवॉल्वर छीनने के आरोपों का दोषी पाया है। उत्तर प्रदेश शासन ने सांसद रमापति राम त्रिपाठी सहित अन्य दोषियों के खिलाफ इस केस में 16 जुलाई 1994 को मुकदमा पंजीकृत किया गया था।सांसद पर आरोप था कि उन्होंने 16 जुलाई 1994 को पार्टी समर्थकों के साथ ड्यूटी पर मौजूद पुलिस कर्मियों के साथ हाथापाई की और नौसढ़ चौराहे पर यातायात अवरुद्ध कर दिया था। इस संबंध में तत्कालीन पुलिस निरीक्षक शिव मंगल सिंह की तहरीर पर सांसद त्रिपाठी और संतराजं यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।इंस्पेक्टर शिव मंगल सिंह द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर में आरोप था कि वह अन्य पुलिसकर्मियों के साथ 16 जुलाई 1994 को भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष लालकृष्ण आडवानी के सुरक्षा व्यवस्था और शांति व्यवस्था में बेलीपार थानाक्षेत्र के नौसड में मौजूद थे तो उस समय आडवानी के काफिले को नौसढ से गोरखपुर की ओर जाने के कुछ देर बाद लगभग 12 बजे मरवडिया कुआं के पास रमापति राम त्रिपाठी ने अपने अन्य साथियों और भाजपा कार्यकर्ता के साथ नारा लगाते हुए और गाली गलौज करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध कर दिया।इंस्पेक्टर शिव मंगल सिंह ने कहा कि जब उन्होंने ड्यूटी पर तैनात अपने साथियों समेत रामपति राम त्रिपाठी को समझाने का प्रयास किया तो वह संतराज यादव सहित अन्य के साथ उग्र हो गए और उनके साथ धक्का–मुक्की करने लगे और उन्हें थप्पड़ मारा। इंस्पेक्टर ने आरोप लगाया कि उस गुत्थम–गुत्थी के दौरान रमापति राम त्रिपाठी एवं संतराज यादव ने उनकी सर्विस रिवाल्वर भी छीनने का प्रयास किया। करीब डेढ सौ भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस बल पर हमला कर दिया और जान मारने की नीयत से पुलिसकर्मियों पर टूट पड़े। उपद्रवियों ने पुलिस वालों पर ईट, पत्थर, कोल्ड ड्रिंग की बोतल से हमला करके मारना शुरू कर दिया। जिससे वहां मौजूद जनता में भय का माहौल व्याप्त हो गया था।

यूपी की राजनीति में बन गए जरूरी
बीजेपी और सपा दोनों की राजभर वोटों पर टिकी निगाह

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी की राजनीति में जाति का फैक्टर हमेशा से चला है। 80 लोकसभा वाले इस राज्य में राजभर समाज का वोटबैंक राजनितिक दलों के लिए जरूरी हो जाता है। सपा हो या भाजपा दोनों ही दल ओपी राजभर की सुभासपा यानि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से दोस्ती चाहते हैं। उत्तर प्रदेश में राजभर समाज की आबादी 12 प्रतिशत है जबकि पूर्वांचल क्षेत्र में राजभर जाति की आबादी 12 से 22 फीसदी है। इसी वजह से राजभर वोटबैंक पूर्वांचल के दो दर्जन से अधिक लोकसभा सीटों पर 50 हजार से करीब ढाई लाख तक हैं। घोसी लोकसभा समेत बलिया, चंदौली, सलेमपुर, गाजीपुर, देवरिया, आजमगढ़, लालगंज, अंबेडकरनगर, मछलीशहर, जौनपुर, वाराणसी, मिर्जापुर और भदोही राजभर बहुल क्षेत्र माने जाते हैं। यहां हार और जीत का निर्णय राजभर समुदाय के लोग करते हैं। वाराणसी जिले में मजदूर सन्नू राजभर के घर जन्म हुआ।ओपी राजभर ने बनारस के बलदेव डिग्री कॉलेज से परास्नातक तक की पढ़ाई की।छात्र जीवन में पढ़ाई के साथ–साथ खर्च निकालने के लिए टेम्पो चलाया। कांशीराम से प्रभावित होकर साल 1981 में सक्रिय राजनीति में एंट्री की।2002 में बसपा से अलग होकर अपनी पार्टी सुभासपा बनाई। 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में जहूराबाद से जीत दर्ज कर पहली बार मंत्री बनें।

चुनावी बॉन्ड की अपारदर्शी व्यवस्था को खत्म करेंगे : कांग्रेस

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस ने इलेक्ट्रॉल बॉन्ड के माध्यम से राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे को अपारदर्शी करार देते हुए कहा है कि पार्टी इसका लगातार विरोध करती रही है और सत्ता में आने के बाद वह भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाली इस अपारदर्शी व्यवस्था को खत्म कर देगी। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चुनावी बॉन्ड के माध्यम से पार्टियों को दिए जाने वाले चंदे की पहले की पारदर्शी व्यवस्था को अब खत्म कर दिया गया है। नयी व्यवस्था के तहत अब किसी कंपनी, व्यक्ति या संगठन से किसी राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले चंदे की सीमा हटा दी गई है। किस दल को किस कंपनी ने कितना चंदा दिया है इस बारे में अब कहीं कोई पूछताछ नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि चुनावी बॉन्ड के जरिये दो वित्त वर्षों में एक पार्टी के खाते में 5200 करोड़ रुपए आये। यह पैसे कहां से आया और किसने दिया, इसका कहीं कोई हिसाब किताब नहीं है। इस बारे में कोई पूछताछ करने वाला नहीं है। यह सब भाजपा सरकार कि उस मनमानी के कारण हुआ है। पहले कंपनियों को बताना पड़ सकता था कि किस पार्टी को कितना पैसा दिया है लेकिन अब इस व्यवस्था को हटा दिया है और चुनावी बॉन्ड से पार्टियों को मिलने वाले चंदे को अपारदर्शी बना दिया गया है। प्रवक्ता ने कहा, "इलेक्टोरल बॉन्ड के कारण इलेक्टोरल फंडिंग गैर–पारदर्शी हो गई। इस बॉन्ड के खिलाफ चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट, आरबीआई सभी की आपत्तियां थीं। लेकिन इसे मनी बिल की तरह पारित किया गया है। इस एक मनी बिल के जरिए भजपा ने विधायकों को खरीदने और सरकारें गिराने का काम किया है।" चुनावी बांड्स को लेकर पहले की व्यवस्था का जिक्र करते हुए श्री खोड़ा ने कहा, "पहले एक कंपनी अपने तीन साल के नेट प्रॉफिट का 7.5 प्रतिशत से ज्यादा दान नहीं कर सकती थी लेकिन अब भजपा सरकार ने यह लिमिट हटा दी। अब किसी कंपनी को यह बताने की जरूरत नहीं कि किसको कितनी राशि दी गई। यह बहुत अपारदर्शी है। जब इतना बड़ा बेनामी धन किसी पार्टी के खाते में आता है तो स्पष्ट होता है कि काला धन कैसे सफेद किया जाता है। अब कोई भी व्यक्ति संगठन या कंपनी कितना भी पैसा भाजपा के खाते में डाल सकती है। इसको लेकर कोई छापे नहीं पड़ेंगे। ईडी, सीबीआई या इनकम टैक्स विभाग अब काले धन को सफेद करने की इस अपारदर्शी व्यवस्था के चलते छापे नहीं मार सकते। भ्रष्टाचार की इस व्यवस्था में पूरी छूट दी गई है।" उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से सवाल किया, "आपने इलेक्टोरल बॉन्ड के तहत कॉरपोरेट दान की सीमा समाप्त कर दी। क्या इससे क्रोनी कैपिटलिज्म को कानूनी जामा नहीं पहनाया गया। कांग्रेस इस चुनावी फंडिंग की पारदर्शी व्यवस्था चाहती है।

नेपाल में लगातार हो रही अधिक बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ाय श्रीखंडी भिठ्ठा गांव में पहुंचा पानी

गोरखपुर। नेपाल के जल अधिग्रहण क्षेत्रों में हुई मूसलाधार बारिश और जिले में भी हुई बारिश से सीतामढ़ी जिले की नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी देखी जा रही है। कई नदियों के जलस्तर लाल निशान के करीब है। नदियों के जलस्तर में वृद्धि होने से श्रीखंडी भिठ्ठा गांव के वार्ड संख्या पांच में बाढ़ के पानी के घुसने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

नेपाल के जल अधिग्रहण क्षेत्रों में हुई मूसलाधार बारिश और जिले में भी हुई बारिश से सीतामढ़ी जिले की नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी देखी जा रही है। कई नदियों के जलस्तर लाल निशान के करीब हैं। गुरुवार की शाम सुरसंड प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र श्रीखंडी भिठ्ठा गांव से होकर बहने वाली रातो नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि हो गई। नदी के जलस्तर में वृद्धि होने से श्रीखंडी भिठ्ठा गांव के वार्ड संख्या पांच में बाढ़ के पानी के घुसने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

साथ ही प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र श्रीखंडी भिठ्ठा पूर्वी, श्रीखंडी भिठ्ठा पश्चिमी, डाढ़ाबाड़ी व दिवारी मतौना पंचायत के दर्जनों गांव के सरेह में फैल रहा है। इससे धान के लगाए गए बिचड़ों के बर्बाद होने का भय किसानों को सताने लगा है। इधर, श्रीखंडी भिठ्ठा गांव के वार्ड संख्या पांच के बाशिंदों ने अपने मवेशी और परिजनों के लिए गांव में ही ऊंचे स्थानों की तलाश शुरु कर दी है।

इसके अलावा बैरगनिया की लालबकैया नदी, सोनाखान में बागमती पुपरी सुंदर पर की अधवारा नदी समेत अन्य जगहों के नदियों के जलस्तर में अचानक बढोतरी हुई है। इस वजह से कई जगह नदियों का जलस्तर लाल निशान के करीब पहुंच रहा है। हालांकि, गुरुवार की शाम के बाद जिले में अभी तक बारिश नहीं हुई है। कुछ जगह पर छिटपुट बारिश हुई है। आसमान में काले बादल लगे हुए हैं। वहीं, मौसम विभाग ने भी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। अधिक बारिश के बाद नदियों के जलस्तर में और भी बढ़ोतरी हो सकती है। इधर, बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार, जिले से बहने वाली बागमती नदी का जलस्तर में ढ़ेंग में 70.73, सोनाखान में 69.13, डूबा धार में 60.91, चंदौली में 58.45 और कटौझा में 54.50 मीटर पर बह रही है। वहीं, सोनबरसा में झीम नदी 79.04, सुंदरपुर में अधवारा नदी 58.30, पुपरी में अधवारा नदी 51.12 मीटर पर बह रही है। लालबकैया नदी 71.30 मीटर पर बह रही है जो खतरे के निशान से करीब 18 सेमी ऊपर है।

बाबा बागेश्वर को लेकर क्यों हो रही राजनीति? मुफ्तानंदश की कहानी पर फिर गरमाई राजनीति

गोरखपुर (संवाददाता)। बाबा बागेश्वर (ठइं ठहमींत) पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जहां भी अपना दरबार लगाते हैं उन पर राजनीति करने के आरोप लग जाते है। जब उन्होंने पटना में अपना दरबार

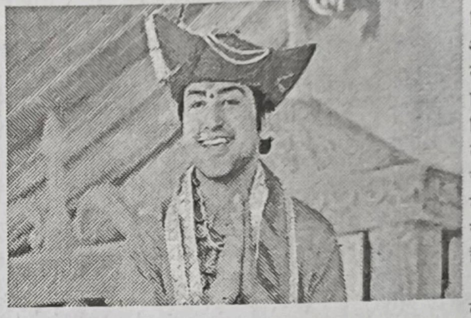

लगाया था और जाति छोड़कर हिंदू राष्ट्र निर्माण के लिए सभी हिंदुओं को एक होने की अपील की थी, तब भी राष्ट्रीय जनता दल ने उन पर राजनीति करने का आरोप लगाया था। दिल्ली दरबार में जब उन्होंने श्मुफ्तानंदश की कहानी सुनाई और लोगों से ज्यादा मुफ्त के चक्कर में न पड़ने की बात कही तो यहां भी उन पर इशारों–इशारों में अरविंद केजरीवाल पर राजनीतिक हमला करने के आरोप लगने लगे।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर आरोप लगते हैं कि वे अपनी कथाओं में उन्हीं मुद्दों को उठाते हैं जो किसी राजनीतिक दल के विचारों को फायदा पहुंचाते हैं। हिंदुत्व, हिंदू राष्ट्र, सभी, जातियों को छोड़कर एक होने और देश को विश्व गुरु बनाने जैसी बातें बाबा बागेश्वर अपने दरबार में बताते हैं। जब वे अपने गृह क्षेत्र में कथा का आयोजन करते हैं, तब भी उपस्थित जनसमुदाय को इन्हीं मुद्दों पर सावधान करते हैं। जब देश के अलग–अलग हिस्सों में वे जाते हैं, तब भी उन्हीं मुद्दों को जोरशोर से उठाते हैं।

हालांकि, ये वही मुद्दे हैं जो भाजपा खुद अपने राजनीतिक अभियानों में इस्तेमाल करती रही है। यही कारण है कि बाबा बागेश्वर धाम के मुद्दों को भाजपा से जोड़कर देखा जाने लगता है, लेकिन इसका कारण केवल यही नहीं है। बाबा बागेश्वर के देश में लग रहे विभिन्न स्थानों पर दरबार को आयोजित करने में भाजपा से जुड़े लोग ही सबसे आगे दिखाई पड़ते हैं। पटना दरबार में भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की आरती उतारते हुए दिखाई पड़े थे। यही कारण है कि विपक्ष के इन आरोपों को बल मिलने लगता है।

दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता विक्रम मित्तल ने अमर उजाला से कहा कि बाबा बागेश्वर पर राजनीति करने के आरोप लगाना हास्यास्पद है। उन पर राजनीति करने के आरोप लगाना देश के संतों का अपमान भी है। उन्होंने कहा कि वे एक संत हैं और अपने दरबार में समाज–देश को जागृत करने के मुद्दे उठाते हैं जो कि किसी भी धार्मिक संत से अपेक्षा की जाती है। वे अपनी सभाओं में देश को आगे बढ़ाने और देश के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की बात करते हैं। वे किसी भी जाति–धर्म से भेद नहीं करते हैं और सभी को एक समान सम्मान देते हैं। ऐसे में उनके दरबार में उठे मुद्दों को राजनीति से जोडकर देखना बिल्कुल गलत है।

विक्रम मित्तल का कहना है कि पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कार्यक्रम कोई भी करा सकता है। जिसे भी उनके कार्यक्रम को कराने में रुचि हो, वह उनके दरबार में संपर्क कर सकता है। यह देश के हर नागरिक के लिए खुला है। ऐसे में किसी को यह आलोचना करने का अधिकार नहीं है कि बाबा बागेश्वर किसी राजनीतिक दल का मुद्दा उठाकर चलते है।

शालीमार बाग से आम आदमी पार्टी विधायक वंदना कुमारी ने अमर उजाला से कहा कि बाबा बागेश्वर ने अपनी कथा में मुफ्तानंद की कहानी के माध्यम से अरविंद केजरीवाल की मुफ्त की राजनीति पर निशाना साधा है। यह बात आम इंसान को भी समझ में आ रही है कि उनकी इस कहानी के निशाने पर कौन था? आम आदमी पार्टी के नेता ने कहा कि एक तरफ तो भाजपा और कांग्रेस उनकी पार्टियों की नीतियों की आलोंचना करती हैं, लेकिन दूसरी तरफ वे उसी नीति की नकल भी करती हैं। ऐसे में यह बात समझ आ जाती है कि उन्हें भी पता है कि अरविंद केजरीवाल की नीतियां लोगों के हित में हैं और इसे आगे बढ़ाना चाहिए।

शिंदे सरकार में विभागों का बंटवारा

महाराष्ट्र में मंत्रिपरिषद का विस्तार आखिरकार कर दिया गया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के बीच कई दिनों से चल रही मैराथन बैठकों के बीच शुक्रवार को विभागों का बंटवारा कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, अजित पवार को वित्त और योजना विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। छगल भुजबल को खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग सौंपा गया है। दिलीप वाल्से पाटिल को सहकारिता, अदिति तटकरे को महिला और बाल विकास, धनंजय मुंडे को कृषि की जिम्मा दिया गया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग, बक्शीपुर, जनपद –गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला –द्वितीय तल, पुष्पांजलि काम्पलेक्स शाही मार्केट, गोलघर,जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

सम्पादक
शक्ति शंकर

मो0 :- (+91) 7233999001